गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 350
दि. 23.04.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

ईरान ने सीज किया भारत आ रहा जहाज, क्या लेकर आ रहा था गुजरात?

(जीएनएस)।

अमेरिका-ईरान की जंग का असर अब भारत पर पड़ता दिख रहा है। पहले भारतीय जहाजों को ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आसानी से बिना रोक-टोक के जाने दे रहा था, वहीं अब खबर आ रही है कि भारत आ रहे जहाजों पर भी कार्यवाही की गई है। जिन जहाजों को IRGC द्वारा जब्त करने की खबर आई हैं उनके नाम टरउ Francesca और Epaminodes बताए जा रहे हैं। जिसमें Epaminodes जहाज गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर आ रहा था।

ईरान की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक अब इन दोनों जहाजों को ईरान ले जाया जा रहा है। वहीं इन दोनों जहाजों के मालिकों से संपर्क किया जा रहा है। दूसरी तरफ ब्रिटिश सैन्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बुधवार को इस अहम समुद्री रास्ते पर कम से कम तीन मालवाहक जहाजों को निशाना बनाया गया। जिसके पीछे ईरान की Islamic Revolutionary Guard Corps का हाथ बताया जा रहा है।

इसी दौरान एक और घटना सामने आई, जिसमें एक अन्य मालवाहक जहाज ने बताया कि उस पर गोलीबारी की गई और उसे समुद्र के बीच में रोक दिया गया। हालांकि जहाज को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इन घटनाओं ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा को साफ दिखा दिया है।

बढ़ते तनाव को देखते हुए चीन ने भी चिंता जताई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता Guo Jiakun ने इसे "युद्ध और शांति के बीच का अहम दौर" बताया। उन्होंने सभी देशों से ईमानदारी दिखाने और युद्धविराम को बनाए रखने की अपील की है।

यूरोपीय संघ भी इस स्थिति को लेकर चिंतित है। ब्रुसेल्स में ट्रांसपोर्ट मंत्रियों की इमरजेंसी बैठक बुलाई गई। International Energy Agency के प्रमुख ने चेतावनी दी कि अगर हालात बिगड़े, तो यूरोप के पास सिर्फ 6 हफ्तों का जेट ईंधन बच सकता है। हालांकि साइप्रस के मंत्री ने तुरंत संकट से इनकार किया, लेकिन तैयारी की जरूरत पर जोर दिया।

इन तनावपूर्ण हालात के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ युद्धविराम को तब तक बढ़ाएगा, जब तक तेहरान कोई ठोस प्रस्ताव पेश नहीं करता और बातचीत खत्म नहीं हो जाती। यह बयान उनके पहले के रुख से बिल्कुल उल्टा है, जब उन्होंने युद्धविराम बढ़ाने को लगभग नामुमकिन बताया था।

वहीं ईरान ने अमेरिका की शर्तों पर बातचीत करने से साफ इनकार कर दिया है। तेहरान का कहना है कि वह धमकियों के साये में या अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के दौरान किसी भी बातचीत में शामिल नहीं होगा। यह बयान ईरान के सरकारी टीवी पर प्रसारित किया गया, जो वहां के टॉप कमांडर्स के अंदर चल रही बहस को भी दिखाता है।

इस्लामाबाद में होने वाली बातचीत भी फिलहाल अटकी हुई है। पाकिस्तान की राजधानी में हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात किए जा चुके थे, लेकिन ईरानी मीडिया के मुताबिक जब दोनों तरफ से कोई भी डेलीगेट्स वहां नहीं पहुंचे तो पाकिस्तान में हताशा छा गई।

कुल मिलाकर Strait of Hormuz में हुए हमले, बातचीत में रुकावट और अलग-अलग देशों के रुख ने मिडिल ईस्ट को एक नाजुक मोड़ पर ला दिया है। ऐसे समय में सभी पक्षों को संयम दिखाने और शांति के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है, ताकि हालात और खराब न हों।

प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष आज ही के दिन पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीड़ितों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने इस दुख की घड़ी में उनके परिवारों के साथ खड़े रहने की राष्ट्र की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

श्री मोदी ने कहा कि भारत दुख की इस घड़ी में एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ उसका दृढ़ संकल्प अटूट है। उन्होंने दोहराया कि देश आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी

कामयाब नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखाः "पिछले वर्ष इसी दिन पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जो इस क्षति से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।"

एक राष्ट्र के रूप में, हम शोक और दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के घिनौने मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे।

अग्रणी महिलाएं बढ़ती नारी शक्ति का प्रतिबिंबः उपराष्ट्रपति

आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी विरासत से जुड़े रहें: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज कर्नाटक के कलबुर्गी में स्थित केंद्रीय कर्नाटक विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने स्नातक करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए इस बात पर बल दिया कि जीवन के एक नए चरण में कदम रखते हुए उन पर समाज और राष्ट्र के प्रति सार्थक योगदान देने का उत्तरदायित्व है।

उपराष्ट्रपति ने भारत की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत "विकसित भारत" की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक साझा राष्ट्रीय मिशन है जिसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने युवाओं से नवोन्मेषण करने, ईमानदारी से नेतृत्व करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने आत्मनिर्भर भारत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता घरेलू क्षमताओं का दोहन करने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए स्थानीय उद्यमों का समर्थन करने में निहित है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में युवा स्नातकों को लगातार अपने कौशल को उन्नत करना चाहिए और उभरती प्रौद्योगिकियों एवं अवसरों के अनुकूल बने रहना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देशभर के दीक्षांत समारोहों में पदक विजेताओं में महिलाओं की संख्या लगातार अधिक रहती है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक जीतने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में वॉटर एटीएम का किया उद्घाटन

राजधानी दिल्ली में स्वच्छ पेयजल की किल्लत को दूर करने की दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार, 22 अप्रैल को शालीमार बाग में

अत्याधुनिक 'वॉटर एटीएम' के एक नए सेट का उद्घाटन किया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों में सुरक्षित और किफायती पेयजल उपलब्ध कराना है, जहां हर दिन पाइपलाइन आपूर्ति अभी भी एक चुनौती बनी हुई है।

बंगाल में बदलाव तय, डबल इंजन सरकार लाएगी विकासः सीएम योगी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के चकदहा में बुधवार को आयोजित जनसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की राजनीतिक दिशा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने नदिया की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल बदलाव के मुहाने पर खड़ा है।

योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी सरकार पर कानून-व्यवस्था, विकास और सांस्कृतिक अस्मिता के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी बंकिम चंद्र घोष के पक्ष में वोट मांगते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार बनने पर राज्य में विकास और सुरक्षा को नई गति मिलेगी।

यूपी मॉडल का किया जिक्र

उन्होंने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां डबल इंजन सरकार के कारण बड़े पैमाने पर उद्योग आए हैं और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने दावा किया कि यूपी में 9 वर्षों में 17,000 से अधिक बड़े उद्योग स्थापित हुए और लाखों युवाओं को रोजगार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में अब परिवर्तन तय है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के 'खेला होबे' नारे पर तंज कसते हुए कहा, 'इस बार खेल खत्म और विकास शुरू होगा।' तन्य महाप्रभु की भूमि बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र वैष्णव परंपरा का प्रमुख केंद्र रहा है और यहां से भक्ति आंदोलन को नई दिशा मिली थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार सांस्कृतिक परंपराओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने भाषा और धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दों का भी जिक्र करते हुए कहा कि बंगाल की पहचान उसकी संस्कृति और परंपरा से है।

मुख्यमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, माफिया राज और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग बंद हो रहे हैं, युवा बेरोजगार हैं और किसानों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने रवींद्रनाथ टैगोर, अरविंद घोष और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल की यह धरती देश को सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान देने में अग्रणी रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। साथ ही किसानों और युवाओं की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई।

प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ धाम के उद्घाटन और चारधाम यात्रा के शुभारंभ की शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री ने आज उत्तराखंड देवभूमि में स्थित श्री केदारनाथ धाम के द्वार खुलने के पवित्र अवसर पर श्रद्धा व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनांए दीं। इसके साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा भी प्रारंभ हो गई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में यात्रा के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं को लिखे गए अपने पत्र के माध्यम से अपनी भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ उनके कुशल मंगल के लिए शुभकामनाएं देते हुए प्रार्थना की इस अवसर के आध्यात्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि केदारनाथ धाम और चारधाम यात्रा भारत की अटूट आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का दिव्य उत्सव है।

उन्होंने कहा कि इन तीर्थयात्राओं से

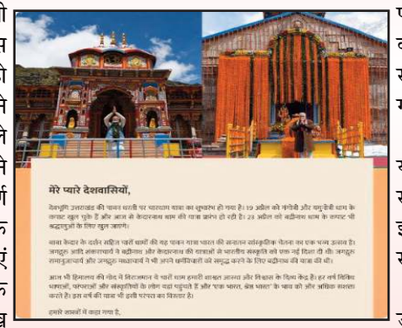

देश की शाश्वत विरासत और आध्यात्मिक चेतना के दर्शन होते हैं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखाः

"देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आज श्री केदारनाथ धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ हम सभी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं।

केदारनाथ धाम और चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं।

इस वर्ष चारधाम यात्रा के आरंभ उत्सव पर, उत्तराखंड आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए मैंने एक पत्र के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं।

राजस्थान की धरती सदैव शौर्य पहचान रही है: लोक सभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष अजेय योद्धा लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए।

(जीएनएस)।

चूरू, लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला बुधवार को चूरू में अजेय योद्धा लेफ्टिनेंट जनरल स्व. सगत सिंह जी राठौड़ की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री भागीरथ चौधरी, वरिष्ठ नेता श्री राजेंद्र राठौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्री बिरला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह जी का जीवन साहस, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की प्रेरक मिसाल है। द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सेना के शौर्य से लेकर गोवा मुक्ति आंदोलन में तिरंगा फहराने तक उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। नाथुला बॉर्डर पर उनके साहसिक निर्णयों ने देश की सीमाओं को मजबूत किया, वहीं 1971 के युद्ध में ढाका में पाकिस्तान सेना के आत्मसमर्पण में उनकी भूमिका अहम रही, जिससे बांग्लादेश के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की यह धरती शौर्य और राष्ट्रभक्ति के लिए जानी जाती है। यहां का हर परिवार देश के प्रति समर्पण की भावना से जुड़ा है। यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करेगी।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि सगत सिंह जी की वीरता और उनका इतिहास देश का गौरव है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि साहस, दृढ़ संकल्प और समर्पण से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आ'ान किया कि वे ऐसे महानायकों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

यूपी में सियासी हलचल के बीच दिल्ली आ रहीं मायावती

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया आज लखनऊ से दिल्ली की ओर रवाना हो गई है, उन्होंने कार्यकताओं को खास निर्देश दिए हैं. यूपी चुनाव के बीच उनके दौरे को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच और यूपी में मची सियासी हलचल के बीच बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती लखनऊ से दिल्ली रवाना हो गई है. बसपा सुप्रीमो ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी है. इसके साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए हैं. मायावती के इस दिल्ली दौरे को लेकर प्रदेश में सियासी हलचलें तेज हो गईं हैं.

बसपा चीफ मायावती ने अपने दिल्ली जाने की जानकारी एक्स पर देते एक बड़ी पोस्ट की है. उन्होंने लिखा- 'उत्तर प्रदेश स्टेट के बसपा के सभी जिला अध्यक्ष एवं छोटे-बड़े पदाधिकारी व कार्यकर्तागण, आज मैं पार्टी के कार्यों से दिल्ली जा रही हूँ और कार्य पूरा होते ही जल्दी वापिस भी आ जाऊंगी.

इस दौरान पार्टी की पिछले महीने दिनांक 31 मार्च सन् 2026 को लखनऊ में हुई यूपी प्रदेश-स्तरीय बड़ी बैठक में पार्टी संगठन को तैयार करने व कैडर आदि के जरिये पार्टी का जनाधार बढ़ाने एवं आर्थिक

कार्यकताओं को दे दिया मिशन-27 का ये काम

मजबूती देने तथा यूपी विधानसभा आम चुनाव की तैयारी से सम्बन्धित जो भी जरुरी दिशा-निर्देश दिये गये थे, उस पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से अमल करते रहना है.

साथ ही, बैठकों में यूपी में बसपा के नेतृत्व में रही सरकार में प्रदेश के विकास व जनहित आदि में किये गये कार्यों के बारे में जरूर बताना है. बैठकों में यह भी बताना है कि यूपी में अब तक जितने भी एक्सप्रेस-वे आदि बने हैं तथा नोएडा में एयरपोर्ट भी बना है ऐसे अनेकों और भी जनहित के कार्य किये गये हैं जिनकी योजना व रुपरेखा बसपा की रही सरकार में ही बनाई गयी थी और ये सभी कार्य काफी हद तक जरूर पूरे हो जाते यदि उस समय केन्द्र की रही कांग्रेसी सरकार बसपा के प्रति अपनी जातिवादी मानसिकता के चलते इनमें रुकावटें पैदा नहीं करती.

कहने का तात्पर्य यह है कि यूपी के समुचित विकास व सर्वसमाज की उन्नति/तरक्की व बेहतर कानून व्यवस्था हेतु 'कानून द्वारा कानून का राज' के जरिये बसपा के 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' शासन में ही यह संभव हो सकता है, जिस पर भी ध्यान देने की अपील.

इतना ही नहीं बल्कि लखनऊ में दिनांक 22 फरवरी 2026 की यूपी को छोड़कर आल-इण्डिया की हुई बड़ी बैठक में, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में जो भी जरुरी दिशा-निर्देश दिये गये थे, तो उन्हें भी समय से जरूर पूरा करना है.

इसके अलावा, यू.पी. सहित पूरे देश में, पार्टी द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों को लेकर स्थानीय स्तर पर पार्टी की बुलाई जा रही सभी इन बैठकों में महिला आरक्षण को लेकर अभी हाल ही में, मेरे द्वारा दिनांक 15 अप्रैल 2026 को मीडिया में पार्टी का जो स्टैण्ड रखा गया है तथा उसके बाद एक्स पर पोस्ट भी किया गया है और जरूरत पड़ने पर आगे भी बयान दिये जायेंगे.

महिला आरक्षण के समर्थन के मामले में अभी भी पार्टी का स्टैण्ड दिनांक 15 अप्रैल वाला ही है, इसमें कोई भी बदलाव नहीं किया गया है, उसके बारे में भी इन बैठकों में जरूर बताना है ताकि महिला आरक्षण के इस खास मुद्दे पर पार्टी के लोग गुमराह ना हो सकें, लेकिन इसके लिए पार्टी के अनुशासन के मुताबिक कोई भी धरना-प्रदर्शन आदि नहीं करना है.

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

प. बंगाल में बीजेपी विश्वास दिलाया

पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दार्जलिग के लोगों को विश्वास दिलाया कि यदि उनकी पार्टी की सरकार पश्चिम बंगाल में बनी तो वह गोरखाओं की समस्या को हल करने के लिए इस पहाड़ी क्षेत्र का समाधान मात्र 6 महीने के अंदर ही कर देंगे।

दरअसल पश्चिम बंगाल के इस पर्वतीय क्षेत्र में ज्यादा नेपाली मूल के गोरखा रहते हैं और राज्य सरकारें उनके हितों के प्राति संवेदनशील नहीं रहीं। पूर्व प्राधानमंत्री राजीव गांधी ने भी गोरखाओं की भावनाओं को महसूस किया था और उन्होंने पूरी कोशिश की थी कि दार्जलिग को पश्चिम बंगाल सरकार स्वायत्त क्षेत्र घोषित करे। किन्तु तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने दो टूक कह दिया था कि उनकी सरकार ऐसा वुछ नहीं करेगी जिससे की पश्चिम बंगाल के विखण्डन का संदेश जाए। विवश होकर तत्कालीन केंद्र सरकार ने एक स्वायत्त बोर्ड तो बना दिया किन्तु राज्य सरकारें चाहे वह वामपंथी रही हों या फिर ममता बनजा की तृणमूल दोनों ही गोरखा समस्या में केंद्र के दखल से भड़कते हैं। सच तो यह है कि केंद्र सरकार राज्य सरकार की इच्छाओं पर निर्भर नहीं है। वह चाहे तो खुद ही वुछ बड़ा पैसला कर सकती है। इसलिए केंद्र सरकार ने चुनाव के पहले ही तीन बार दार्जलिग के गोरखा संगठनों के प्रातिनिधियों के साथ वाताकार्र नियुक्त कर दिया था। मुख्यमंत्री ममता बनजा इस बात को अच्छी तरह जानती थी कि विधानसभा चुनाव में भाजपा गोरखाओं के दार्जलिग मुद्दे पर राजनीति जरूर करेगी इसलिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तीन बार बैठक बुलाने के बावजूद राज्य सरकार ने कोई सकारात्मक रुख नहीं अपनाया।

गृह मंत्रालय ने भी राज्य सरकार के टालू रवैए से परेशान होकर पश्चिम बंगाल के अधिकारियों तथा गोरखा संगठनों से बातचीत करके एक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने वार्ता शुरू भी कर दी है।

सच तो यह है कि दार्जलिग में लोग राज्य सरकार से ज्यादा केंद्र सरकार को अपना हितैषी मानती है। यही कारण है कि पहले वे लोग कांग्रेस को वोट देते थे और जब से भाजपा सत्तारूढ़ हुई है, वे इसके साथ गए हैं। यही कारण है कि पहले वामपंथी संगठन और राज्य सरकार गोरखा समुदाय को केंद्र और कांग्रेस का समर्थक मानकर उनकी उपेक्षा करती थी और आज भी टीएमसी संगठन और पश्चिम बंगाल सरकार इसलिए गोरखा समस्या का समाधान करने में रूचि नहीं लेती क्योंकि वह समझती है कि गोरखा भाजपा को ही वोट देंगे।

बहरहाल लोकतंत्र में इस तरह की समस्याओं का राष्ट्रीय अखण्डता को ध्यान में रखकर समाधान खोजने में केंद्र और राज्य दोनों को रूचि लेना चाहिए। वोटों के लालच में ही सही यदि भाजपा गोरखों के प्राति संवेदनशील होने का प्रादर्शन करती है तो ऐसा प्रादर्शन वोटों के लिए टीएमसी को भी करना चाहिए। दार्जलिग की समस्या का समाधान समय रहते निकाल लेना ही समझदारी है। इसलिए जिस भी आशय से गृहमंत्री अमित शाह ने गोरखाओं को आश्वासन दिया, निाति तौर पर इसका आने वाले दिनों में असर दिखने लगेगा। इस तरह के आश्वासन ही लोकतंत्र में उम्मीद के आधार होते हैं इसलिए आंदोलित समुदाय को जब भी कहीं से कोई आश्वासन मिलता है तो वह उस समाज और राष्ट्र के लिए सुखद ही होता है।

भारत-जर्मनी रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और सुदृढ़ करने के उपायों पर चर्चा

भारत और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रशिक्षण में सहयोग हेतु रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप एवं कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए

आतंकवाद के सभी प्रारूपों और अभिव्यक्तियों की बिना किसी अपवाद या औचित्य के स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए: श्री राजनाथ सिंह

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल, 2026 को बर्लिन में जर्मनी के रक्षा मंत्री श्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, जिसका उद्देश्य यूरोपीय राष्ट्र के साथ रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करना था। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। विशेष रूप से रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों यानी कि विशेषकर उन्नत एवं विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही, दोनों मंत्रियों ने सैन्य सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस बैठक के दौरान भारत व जर्मनी के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप तथा संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रशिक्षण में सहयोग के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए गए और उनका आदान-प्रदान किया गया। रक्षा मंत्री ने जर्मनी की अपनी यात्रा को गहरी मित्रता, तालमेल और विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विशेषकर बोरिस पिस्टोरियस के जर्मनी के रक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद, रक्षा सहयोग में इस साझेदारी को काफी गति मिली है।

श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि हाल ही में हुए भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी समझौते ने सामूहिक सहयोग को और गहरा करने

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह समझौता भारत और यूरोपीय देशों के बीच रणनीतिक तालमेल को नई दिशा प्रदान करेगा। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय स्थिरता को सुदृढ़ करने, संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाने तथा भारत-जर्मनी के दीर्घकालिक रणनीतिक गठबंधन को और मजबूत करने हेतु इस ढांचे का द्विपक्षीय एवं व्यापक यूरोपीय संदर्भ में प्रभावी उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत व जर्मनी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बेहद जरूरी स्थिरता और मजबूती प्रदान की है। आतंकवाद के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इसके सभी प्रारूपों और अभिव्यक्तियों की बिना किसी अपवाद या औचित्य के निंदा की जानी चाहिए।

जर्मन रक्षा मंत्री ने सेवा स्तरीय कार्मिक वार्ता और भविष्य के द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों के संस्थागतकरण की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस वर्ष सितंबर/अक्टूबर में भारत में आयोजित होने वाले पूर्व तरंग शक्ति अभ्यास के अगले संस्करण में जर्मन वायु सेना की भागीदारी के लिए उत्सुक है। बैठक से पहले, श्री राजनाथ सिंह के जर्मन रक्षा मंत्रालय पहुंचने पर उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इससे पहले, रक्षा मंत्री ने सम्मान के प्रतीक के रूप में बुंडेसवेहर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह स्मारक उन सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

भारत और जर्मनी ने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जबकि वर्ष 2026 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। आज के समय में यह द्विपक्षीय संबंध एक व्यापक और बहुआयामी स्वरूप ले चुके हैं। रक्षा सहयोग के अलावा, इसमें व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, विकास सहयोग, हरित ऊर्जा, उच्च शिक्षा, सतत समाधान, संस्कृति तथा जन-से-जन संबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह साझेदारी न केवल अपनी गहराई और व्यापकता को दशार्ती है, बल्कि भविष्य में मौजूद अपार संभावनाओं एवं सहयोग के नए आयामों की ओर भी संकेत करती है।

यूएस-ईरान युद्ध को रुकवाना, पाकिस्तान क्यों हो रहा अत्यधिक जरूरी

(जीएनएस)।

अमेरिका-ईरान के युद्ध को दो महीने होने वाले हैं, जिसमें दो हफ्ते का सीजफायर और फिर उसे बढ़ाया जाना भी शामिल है। लेकिन परमानेंट समाधान के लिए इस्लामाबाद में हुई बातचीत बुरी तरह फेल रही। इसके बाद भी पाकिस्तान दोबारा अपने यहां मजमा सजाने की बाट जोह रहा है। लेकिन ऐसे में सवाल ये उठ रहा कि इसमें पाकिस्तान के लिए ऐसा क्या लालच है जिसकी वजह से वह दोनों देशों के पीछे पड़ा हुआ है?

इस पूरी मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका उसकी आंतरिक और क्षेत्रीय जरूरतों से जुड़ी हुई है। उसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव से काफी प्रभावित होती है, खासकर Strait of Hormuz से जुड़े मामलों में। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी तरह की रुकावट पाकिस्तान के इम्पोर्ट बिल, महंगाई और उसकी करंसी के स्थिर बने रहने पर तुरंत असर डालती है। यही वजह है कि पाकिस्तान इस युद्ध को जल्दी खत्म करने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

PIDE की रिपोर्ट के मुताबिक, तेल की बढ़ती कीमतें आयात बिल बढ़ाती हैं, महंगाई को तेज करती हैं और रुपये पर दबाव डालती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां धीमी हो जाती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि लंबा संकट व्यापार और इन्वेस्टमेंट दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है।

3. उधारी और कर्जा मिलना जारी

पाकिस्तान की IMF के साथ चल रही डील को देखते हुए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। बढ़ते ऊर्जा खर्च से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है और आर्थिक सुधारों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। इन परस्थितियों को संभालने के लिए पाकिस्तान ने कई कदम उठाए हैं, जैसे सरकारी कर्मचारियों के काम के दिन कम करना और स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करना। ये कदम अपना तेल और बिजली बचाने के लिए शरीफ सरकार ने उठाए हैं। लेकिन इससे रोजमर्रा के जीवन पर असर पड़ रहा है इसलिए इसे लंबा नहीं टाला जा सकता।

4. सुरक्षा पर भी खतरा

ईरान के साथ लगभग 900 किलोमीटर लंबी सीमा होने के कारण पाकिस्तान को सुरक्षा जोखिम भी झेलने पड़ते हैं। खासकर बलूचिस्तान जैसे सीमावर्ती इलाके पहले से ही अस्थिर हैं और लंबे युद्ध से हालात और बिगड़ सकते हैं। साथ ही, पाकिस्तान में शिया समुदाय की आबादी 10% से 25% के बीच मानी जाती है। ईरान से जुड़े घटनाक्रम अक्सर देश के अंदर सांप्रदायिक तनाव को प्रभावित करते हैं। हालिया जंग में इससे जुड़े विरोध प्रदर्शन भी देखे गए हैं।

पाकिस्तान अमेरिका, चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ संबंध बनाए रखता है। इन देशों के हित कई बार आपस में टकराते हैं, जिससे पाकिस्तान के लिए संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उदाहरण के लिए पाकिस्तान को ईरान से संबंध में रखने हैं और दूसरे खाड़ी देशों से भी, ऐसे में अगर जंग होती है तो पाकिस्तान को किसी एक तरफ खड़ा होना पड़ेगा जो दूसरे से उसके संबंध खराब कर सकता है।

पाकिस्तान की विदेश नीति में नागरिक और आर्मी लीडरशिप दोनों की भूमिका होती है। जहां शरीफ कूटनीति संभाल रहे हैं, वहीं आसिम मुनीर अमेरिका के साथ बातचीत में अहम भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, आर्मी का पलड़ा हमेशा भारी रहता है। वहीं ये दोनों मिलकर अमेरिका की चरण-वंदना कर अपने नंबर बढ़ाने में लगे हैं। पिछले 10 साल में ये पहली बार है कि कोई अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान को इतनी तवज्जो दे रहा है।

हालांकि, पाकिस्तान को अक्सर आतंकवाद और आर्थिक अस्थिरता के लिए आलोचना झेलनी पड़ती है। 2022 में खङ्की ड्डींल्ल ने इसे खतरनाक देशों में से एक बताया था। जबकि पाकिस्तान की ग्लोबल पहचान एक प्रो-टेररिस्ट कंट्री की है। इसलिए इसे कर्जा मिलने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लिहाजा पाकिस्तान अपनी इमेज को सुधार रहा है, वो भी बिना आतंकवाद को बंद किए।

पाकिस्तान को उम्मीद है कि इस मध्यस्थता से उसे आर्थिक फायदा मिलेगा, जैसे ज्यादा विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग। खासकर खनिज और डिजिटल फाइनेंस जैसे क्षेत्रों में नए मौके दिख रहे हैं। इस भूमिका से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को एक जिम्मेदार देश के रूप में पेश करने का मौका मिल रहा है। इससे उसकी वैश्विक छवि बेहतर हो सकती है।

हालांकि की ये सब बातें पाकिस्तान को कुछ समय तक की बढ़िया दिखा सकती हैं लेकिन आखिरी में उसे अपनी आतंकवाद की फैक्ट्री बंद करना होगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो उसके इमेज में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम की पिच रिपोर्ट

आईपीएल 2026 बुधवार को मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा.

दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का खुमार इन दिनों फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. इस मेगा टूनार्मेंट में सोमवार को एक और मजेदार मैच खेला जाएगा, जहां लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच टक्कर होगी. इस मुकाबले के लिए दोनों ही टीमें जीत की उम्मीद के साथ उतरेंगी.

लखनऊ के श्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए दोनों ही टीमें पूरे जोश के साथ खेलने के लिए उत्साहित हैं. ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपरजायंट्स ने पिछले कुछ मैचों की हार के बाद फिर से जीत की लय को हासिल करना चाहेगी, तो वहीं राजस्थान रॉयल्स भी अच्छे प्रदर्शन के बीच खो रही रिदम को प्राप्त करने के इरादे से उतरेगी.

आईपीएल के इतिहास में दोनों ही टीमों के बीच आपसी मुकाबला ज्यादा पुराना नहीं है. इन दोनों टीमों के बीच 2022 में पहली बार टक्कर देखने को मिली, इसके बाद से अब तक के सफर में 6 मैच खेले गए हैं, जिसमें 4 मैच राजस्थान रॉयल्स ने जीते हैं, तो वहीं 2 मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को जीत मिली है.

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपरजायंट्स बनाम राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन

इस आईपीएल सीजन में दोनों टीमों के प्रदर्शन की बात करें तो लखनऊ सुपरजायंट्स अपने 6 में से 2 मैच जीतकर अंक तालिका में 9वें

पायदान पर है, तो वहीं राजस्थान रॉयल्स कमाल के खेल के दम पर 6 में से 4 मैच जीतकर तीसरे स्थान पर बनी हुई है.

आईपीएल रविवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 22 अप्रैल को होने वाले इस मैच की शुरूआत शाम 7.30 बजे से होगी, मैच का टॉस 7 बजे किया जाएगा.

लखनऊ में स्थित एक विश्व स्तरीय क्रिकेट स्टेडियम भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन 2017 में हुआ था. 50,000 की क्षमता वाले इस स्टेडियम का निर्माण 2014 में अखिलेश यादव की सरकार में शुरू हुआ और इसका काम 3 साल में पूरा हो गया, 2018 में यहां पर पहला इंटरनेशनल मैच खेला गया. इस स्टेडियम को इकाना स्पोर्ट्स सिटी और एलडीए द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत बनाया गया था. शुरूआत में इसका नाम 'इकाना क्रिकेट स्टेडियम' था, लेकिन बाद में उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रख दिया.

इकाना स्टेडियम की बात करें तो यहां पर विकेट एक आइडियल क्रिकेटिंग विकेट माना जाता है. इस विकेट पर गेंद और बल्ले के साथ अच्छी टक्कर देखने को मिलती है. लखनऊ में अक्सर ही शुरूआत में तेज गेंदबाजों को और बाद में स्पिनर्स को भी मदद हुई है, ऐसे में यहां पर 180-190 का स्कोर भी फाइटिंग टोटल माना जा सकता है. आईपीएल 2026 में बुधवार को पहला मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच खेला जाएगा. 22 अप्रैल को लखनऊ में होने वाले इस मैच के मौसम की बात करें बारिश की कोई संभावना नहीं है, एक्यूवेदर के अनुसार 42 डिग्री सेल्शियस अधिकतम और 25 डिग्री सेल्शियस न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है. लखनऊ सुपरजायंट्स टीमः मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी

राजस्थान रॉयल्सः वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरन हेटमायर, रवींद्र जडेजा, डोनोवेन फरेरा, रवि बिश्नोई, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, संदीप शर्मा

आईपीएल 2026 के लिए स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर है. इस टूनार्मेंट के सभी मैच स्टार स्पोर्ट्स के अलग-अलग चैनल पर प्रसारित किए जाएंगे, बुधवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाला पहला मैच भी स्टार स्पोर्ट्स पर देखा जा सकता है. तो साथ ही लाइव स्ट्रीमिंग का मजा आप खङ्गब्रल्लीं और Disney+ Hotstar ऐप/वेबसाइट पर ले सकते हैं.

लखनऊ सुपरजायंट्सः मिशेल मार्श, एडेन मार्करम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मोहम्मद शमी, आवेश खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मैथ्यू ब्रीट्जके, शाहबाज अहमद, मयंक यादव, हिम्मत सिंह, एनरिक नॉर्टजे, मोहसिन खान, अर्जुन तेंदुलकर, आकाश महाराज सिंह, अक्षत रघुवंशी, अर्शिन कुलकर्णी, नमन तिवारी, जॉर्ज लिंडे, जोश इंग्लिस

30 की उम्र में दिव्यांका सिरोही की मौत, क्या हुआ था एक्ट्रेस के साथ?

(जीएनएस)।

हरियाणवी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। खबर है कि एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही का महज 30 की उम्र में निधन हो गया है। जानकारी के अनुसार गत 21 अप्रैल 2026 (मंगलवार) देर रात उत्तर प्रदेश स्थित एक्ट्रेस के घर पर उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद परिवार वाले तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इंडस्ट्री में शोक की लहर, कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

दिव्यांका सिरोही के निधन की खबर फैलते ही हरियाणवी म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। कई कलाकारों और सह-साथियों ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। हालांकि इस दुखद घटना पर परिवार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

दिव्यांका सिरोही उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की रहने वाली थीं। उनका जन्म 19 नवंबर 1996 को हुआ था। वह गाजियाबाद में अपने परिवार के साथ रह रही थीं।

दिव्यांका सिरोही ने अपने करियर की शुरूआत टिकटॉक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से की थी। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग और डांस का काफी शौक था। एक वीडियो, जिसमें उन्होंने र४ल्लंल्र्ला रँ१ के गाने मेरी मम्मी नू पसंद नयी तू पर परफॉर्म किया था, काफी वायरल हुआ और उसने लाखों व्यूज बटोरे थे। इसी के बाद वह तेजी से पॉपुलर होती चली गईं।

सोशल मीडिया पर मिली सफलता के बाद दिव्यांका सिरोही को हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला था। उन्होंने मासूम शर्मा (टंरङ्के रँ१) के साथ कई म्यूजिक वीडियोज में काम किया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी। इंस्टाग्राम पर भी उनकी मजबूत फैन फॉलोइंग थी, जहां लाखों लोग उन्हें फॉलो करते थे।

दिव्यांका सिरोही का इस तरह अचानक दुनिया को अलविदा कह देना उनके परिवार, दोस्तों और फैंस के लिए किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। इतनी कम उम्र में उनका यूं चले जाना हर किसी को भावुक कर गया है। सोशल मीडिया पर उनके चाहने वाले लगातार उन्हें याद कर रहे हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

धोनी-रोहित करेंगे धमाका, मुंबई की रफ्तार रोकना चाहेगी चेन्नई

(जीएनएस)।

23 अप्रैल की शाम जब मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स वानखेड़े स्टेडियम में आमने-सामने होंगी, तो यह मुकाबला केवल रोमांच के लिए नहीं, बल्कि प्लेऑफ की रेस में खुद को जीवित रखने के लिए होगा। मौजूदा अंक तालिका पर नजर डालें तो स्थिति काफी गंभीर है।

मुंबई इंडियंस (टक) 6 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ 7वें स्थान पर है, जबकि उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स (उरङ) भी 6 मैचों में 2 जीत के साथ 8वें नंबर पर काबिज हैं। दोनों ही टीमों के 4-4 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट (+0.067) की वजह से मुंबई फिलहाल चेन्नई (-0.780) से एक पायदान ऊपर है।

इस मैच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि हारने वाली टीम के लिए टॉप-4 की राह बहुत कठिन हो जाएगी। मुंबई के लिए घर में खेलने का फायदा और उनका पॉजिटिव नेट रन रेट उन्हें मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है, लेकिन चेन्नई की टीम अपनी

रणनीति के लिए मशहूर है। वानखेड़े की पिच पर जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आती है, वहां दोनों टीमों के पावर-हिटर्स मैच का रुख बदल सकते हैं। इस मुकाबले में टॉस की भूमिका भी अहम होगी, क्योंकि ओस के कारण बाद में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मुंबई की परेशानी क्या

मुंबई इंडियंस की परेशानी मिडिल ऑर्डर की बैटिंग रही है, वहां हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव दोनों ही नहीं चल पा रहे हैं। हालांकि पिछले मुकाबले में शतक जड़कर तिलक वर्मा ने जरूर अपना जलवा दिखाया है। उनके ऊपर एक बार फिर से नजर रहने वाली है।

आयुष म्हात्रे का बाहर होना बड़ा झटका

चेन्नई सुपर किंग्स के इन फॉर्म खिलाड़ी आयुष म्हात्रे का बाहर हो जाना टीम के लिए बड़ा झटका है। हेमस्ट्रिंग में चोट की वजह से उनको बाहर होना पड़ा है। अहम बात यह है कि वह काफी धाकड़ फॉर्म में थे, इस सीजन दो फिफ्टी भी लगा चुके थे।

धोनी की होने वाली है वापसी?

लगातार कई मैचों में बाहर रहने एक बाद महेंद्र सिंह धोनी वापसी कर सकते हैं, वह इस सीजन अपना पहला मैच खेलते हुए नजर आ सकते हैं। धोनी के आने से टीम को मानसिक रूप से मजबूती तो निश्चित रूप से मिलने वाली है। कुल मिलकर एक धांसू टक्कर देखने को मिलेगी, टॉस के समय स्थिति साफ होगी।

रोहित शर्मा खेल सकते हैं

मुंबई के तूफानी खिलाड़ी रोहित शर्मा वापस आ सकते हैं, वह पिछले दो मैचों में बाहर बैठे थे। हेमस्ट्रिंग की चोट ठीक होने पर वह अब वापस आएंगे, तो तबाही मचा सकते हैं।

ट्रेनिंग के बाद गाल खींचने लगा लखनऊ सुपर जायंट्स का खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी ने कहा- मेरे कपड़े फट जाएंगे भाई

आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के अर्शिन कुलकर्णी और वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अर्शिन वैभव के गाल खींचते हुए नजर आ रहे हैं।

नई दिल्लीः आईपीएल 2026 के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आज राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें आमने-सामने होंगी। लेकिन इस मैदानी जंग से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। यह वीडियो राजस्थान के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी और

वैभव सूर्यवंशी के गाल अर्शिन कुलकर्णी ने खींचे

लखनऊ के अर्शिन कुलकर्णी का। भले ही वैभव मैदान पर बड़े-बड़े छक्कों से गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हों लेकिन इस वीडियो में वे बेहद क्यूट नजर आ रहे हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने आधिकारिक पेज पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें अर्शिन और वैभव के बीच मजेदार नोकझोंक दिख रही है। प्रैक्टिस सेशन के दौरान जब दोनों मिले तो अर्शिन ने वैभव को तंग करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। बातचीत खत्म होने के बाद जब दोनों अपने कैंप की ओर जाने लगे तो अर्शिन ने वैभव का गाल खींचने की कोशिश की। वैभव बचने के लिए भागे लेकिन अर्शिन ने उन्हें पकड़ लिया और खींचतान शुरू कर दी। इस मस्ती के बीच वैभव चिल्लाते नजर आए, 'अरे कपड़े फट जाएंगे भाई!'

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊः निशाने पर थीं हिंदू छात्राएं... केजीएमयू से पकड़े गए 12वीं पास 'डॉक्टर' हस्साम अहमद पर सनसनीखेज खुलासा

ऐसे लड़कियों को अपने जाल में था फंसाता

(जीएनएस)।

लखनऊ के प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में एक सनसनीखेज जालसाजी सामने आई है. खुद को डॉक्टर बताने वाला 12वीं पास हस्साम अहमद हिंदू छात्राओं को निशाना बना रहा था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और इस मामले में लव जिहाद के एंगल से भी जांच की जा रही है.

लखनऊ के KGMU प्रशासन और पुलिस ने मिलकर हस्साम अहमद नामक एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है, जो मेडिकल यूनिवर्सिटी की हिंदू छात्राओं को धर्मांतरण रैकेट का शिकार बना रहा था. आरोपी ने खुद को डॉक्टर बताकर 'कार्डियो सेवा संस्थान ट्रस्ट' बनाया और 50 से अधिक छात्राओं को दिल्ली एम्स (AIIMS) की कॉन्फ्रेंस में ले जाने के फर्जी लेटर थमा दिए.

वह फर्जी लेटर पैड और सोशल मीडिया के जरिए छात्राओं को मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में मेडिकल कैंप लगाने के बहाने ले जाता था. केजीएमयू के डीन डॉ. केके सिंह की सक्रियता के कारण 20 अप्रैल को इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ और आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया.

'आज तक' के पास मौजूद एक्सक्लूसिव दस्तावेजों से KGMU के फर्जी डॉक्टर हस्साम का बड़ा खेल उजागर हुआ है. आरोपी खुद को "भारतीय गौरव प्रतिभा सम्मान" से सम्मानित बताकर डॉक्टरों का भरोसा जीतता था. उसने प्रॉक्टर डॉ. केके सिंह के फर्जी दस्तखत वाले कागजात और फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए डॉक्टरों, खासकर मुस्लिम महिला डॉक्टरों का नेटवर्क बनाने की कोशिश की. इन्हीं जाली दस्तावेजों से वह कॉन्फ्रेंस के नाम पर डॉक्टरों को प्रभावित करता था.

KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के मुताबिक, इस जालसाजी के तार धर्मांतरण और लड़कियों के शोषण से जुड़े हो सकते हैं. यह रैकेट केजीएमयू की छात्राओं को निशाना बनाकर उन्हें मुस्लिम बहुल इलाकों में 'मेडिकल कैंप' के नाम पर ले जाता था. 19 अप्रैल को डॉ. केके सिंह ने खुद एक कैंप की पड़ताल की, जहां करीब 10 केजीएमयू छात्राएं मिलीं. जांच में सामने आया कि हस्साम ने छात्राओं को दिल्ली एम्स में फर्जी कॉन्फ्रेंस का झांसा दिया था. एम्स से संपर्क करने पर पता चला कि ऐसी कोई कॉन्फ्रेंस प्रस्तावित ही नहीं है.

हस्साम के पास से केजीएमयू प्रशासन के अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर वाले दस्तावेज और 'कार्डियो सेवा संस्थान' नामक फर्जी ट्रस्ट के पेपर मिले हैं. इस संस्था का फाउंडर फईक अहमद मंसूरी है, जो केजीएमयू का ही छात्र है और अब शक के घेरे में है. हस्साम इस संस्था का को-फाउंडर था। फिलहाल, केजीएमयू प्रशासन और पुलिस इस 'लव जिहाद' और धर्मांतरण के एंगल की गहराई से जांच कर रहे हैं.

फर्जी लेटर और कॉन्फ्रेंस का झांसा

हस्साम अहमद ने जालसाजी के लिए बाकायदा एक नेटवर्क तैयार किया था. उसने हिंदू पैरामेडिकल स्टाफ और छात्राओं को ईमेल और डाक के जरिए दिल्ली एम्स में होने वाली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का न्योता दिया. आरोपी ने छात्राओं को यकीन दिलाया कि उनका चयन इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए हुआ है. पूछताछ में सामने आया कि वह छात्राओं को प्रभावित करने के लिए केजीएमयू के प्रवक्ता की डीपी का इस्तेमाल करता था. आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सोशल मीडिया के जरिए छात्राओं से संपर्क कर उन्हें अपने जाल में फंसाता था.

अखिलेश यादव की मां पर टिप्पणी से भड़की सपा, लखनऊ मेयर के घर चप्पलों से पीटी नेमप्लेट

(जीएनएस)।

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने मेयर सुषमा खर्कवाल के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किया. मेयर ने महिला आरक्षण बिल से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव की मां पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद सपा समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा. बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मेयर के सरकारी आवास पहुंचे और जोरदार नारेबाजी की. प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास के गेट पर लगी नेमप्लेट को चप्पलों से पीटा. इस घटना के बाद लखनऊ का सियासी पारा चढ़ गया है और पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर मेयर को सोशल मीडिया के जरिए कड़ा जवाब दिया है.

क्या था मेयर का विवादित बयान?

मेयर सुषमा खर्कवाल ने एक कार्यक्रम में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा करते हुए अखिलेश यादव को निशाने पर लिया था. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अखिलेश यादव ने अपनी मां, बहन और बेटी का अपमान किया है.

इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव की दिवंगत मां का जिक्र करते हुए उन पर सीधी टिप्पणी कर दी. मेयर के इस निजी हमले को समाजवादी पार्टी ने बेहद गंभीरता से लिया और इसे महिला अस्मिता के खिलाफ बताते हुए विरोध शुरू कर दिया.

अखिलेश यादव ने पर दिया जवाब

इस पूरे मामले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर अपना दर्द और नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने लिखा, "राजनीतिक मजबूरी में मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला होकर दूसरी महिला का अपमान करना उचित नहीं है." अखिलेश के इस बयान के बाद कार्यकताओं में आक्रोश और बढ़ गया. सपा का कहना है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन परिवार और दिवंगत लोगों को घसीटना किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है.

लखनऊ में खनन साझेदारी के नाम पर 1.26 करोड़ रुपये की ठगी

(जीएनएस)।

चौक इलाके में रहने वाले कंपनी निदेशक सुदेश मिश्रा से जालसाजों ने ठेका और बेरोजगारों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई। आरोप है कि जालसाजों ने मारुति सुजुकी के मानेसर हरियाणा स्थित प्लांट में 1500 सिक्योरिटी गार्ड की आपूर्ति का ठेका दिलाने का लालच दिया था। पर, रुपये लेने के बाद भी काम नहीं मिला। पीड़ित ने चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चौपटिया रोड निवासी सुदेश मिश्रा के मुताबिक वह भूतपूर्व सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज प्रा. लि. नामक कंपनी के निदेशक हैं, जो विभिन्न संस्थानों में मैनपावर सप्लाई का कार्य करती है। 22 मार्च 2026 को उनके मोबाइल पर रनधीर सिंह नाम के व्यक्ति ने काल कर खुद को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, मानेसर (हरियाणा) प्लांट का अधिकारी बताया। गार्ड की आपूर्ति का ठेका दिलाने का झांसा दिया। वेंडर कोड जारी कराने के नाम पर तीन लाख रुपये की मांग की।

जानकारी विश्वसनीय लगने पर सुदेश मिश्रा ने 23 मार्च को अपने और कंपनी के कर्मचारियों महेंद्र कुमार दीक्षित, हिमांशु दीक्षित और सूयार्शु साहू के खातों से कुल 2.99 लाख रुपये यूपीआइ के माध्यम से आरोपित द्वारा बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए।

रकम ट्रांसफर करने के बाद आरोपित का मोबाइल बंद हो गया। जिसके कारण ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद पीड़ितों ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

सभी चारों पीड़ितों ने अलग-अलग शिकायत संख्या के साथ आनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। साइबर सेल की जांच के बाद मामले में एफआइआर दर्ज करने का आदेश हुआ। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

श्री भूपेन्द्र यादव ने शेखा झील पक्षी अभयारण्य को भारत का 99वां रामसर स्थल घोषित किया; उत्तर प्रदेश में इन स्थलों संख्या बढ़कर 12 हुई

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित करने की घोषणा की, जिससे भारत में ऐसे अभयारण्यों की कुल संख्या 99 और राज्य में 12 हो गई है।

श्री भूपेंद्र यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा- 'उत्तर प्रदेश ने देशभर के इस आंकड़े को 99 तक ले जाने का श्रेय प्राप्त कर लिया है! शेखा झील पक्षी अभयारण्य (अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) को रामसर स्थल घोषित करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।' उन्होंने कहा कि इस घोषणा से स्थानीय आजीविका और वैश्विक जैव विविधता के साथ-साथ जल और जलवायु सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा और यह 'भारत की 99वीं वर्षगांठ' का प्रतीक है, जो हमें ऐतिहासिक शताब्दी के और निकट ले जाता है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा, 'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्विकसित करने अभियान के अंतर्गत आर्द्रभूमि और पशुओं, विशेष रूप से पक्षियों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को वैश्विक समुदाय से एक बार फिर सराहना मिली है।'

इस स्थल के पारिस्थितिक महत्व का उल्लेख करते हुए श्री यादव ने कहा कि शेखा झील मध्य एशियाई फ्लाईवे पर एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो सर्दियों के मौसम में हंस, पेंटेड स्टॉर्क और विभिन्न प्रकार की बत्तखों जैसे प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावास प्रदान करती है। मंत्री महोदय ने लोगों को इस स्थल का भ्रमण करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

पीएमआईएस के पात्रता मानदंडों का का हुआ विस्तार, मिला छात्रों लाभ

एमसीए ने प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना (पीएमआईएस) के पात्रता मानदंडों का विस्तार करते हुए अंतिम वर्ष के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को भी शामिल किया

18 से 25 वर्ष की आयु के अंतिम वर्ष के छात्र अब पीएमआईएस पोर्टल के माध्यम से शीर्ष कंपनियों में सशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं

पीएमआईएस में किए गए संशोधन भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के छात्र रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ाने और शिक्षा से कार्य में सुगम संक्रमण सुनिश्चित करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हैं

(जीएनएस)।

युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्योग के लिए उनकी तत्परता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना (पीएमआईएस) के पायलट चरण के लिए पात्रता मानदंड का विस्तार किया है, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्रों को भी शामिल किया गया है। इससे छात्रों को देश की शीर्ष कंपनियों में संरचित प्रशिक्षण के अवसर शीघ्र प्राप्त होने की उम्मीद है, जिससे वे अपनी औपचारिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही उद्योग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। यह निर्णय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के परामर्श से लिया गया है।

नए बदलाव

स्नातक और स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के छात्र अब पीएमआईएस के तहत आवेदन करने के पात्र हैं।

आवेदकों को योजना के तहत मौजूदा पात्रता मानदंडों को पूरा करना जारी रखना होगा।

आवेदन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को अपने संबंधित शिक्षण संस्थानों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जमा करना अनिवार्य है।

एनओसी को यह पुष्टि करनी होगी कि प्रशिक्षण में भाग लेने से शैक्षणिक आवश्यकताओं में कोई बाधा नहीं आएगी।

अधिकृत हस्ताक्षरकताओं में विभागाध्यक्ष, डीन, प्रधानाचार्य या प्रशिक्षण एवं नियुक्ति अधिकारी शामिल हैं।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) उच्च शिक्षा के मूल घटक के रूप में प्रशिक्षण, उद्योग के साथ जुड़ाव और व्यावहारिक अनुभव सहित प्रायोगिक शिक्षा पर विशेष बल देती है। छात्रों को नामांकित रहते हुए ही संरचित, सशुल्क प्रशिक्षण में भाग लेने में सक्षम बनाकर, पीएमआईएस वास्तविक दुनिया के अनुभव को शैक्षणिक यात्रा में समाहित करके इस उद्देश्य को आगे बढ़ाता है। यह छात्रों की रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ाने और शिक्षा से कार्य में सुगम संक्रमण सुनिश्चित करने के एनईपी के लक्ष्य का समर्थन करता है।

पेशेवर परिवेश से प्रारंभिक परिचय छात्रों को समस्या-समाधान, संचार, टीम वर्क और अनुकूलनशीलता जैसी महत्वपूर्ण कार्यस्थल दक्षताओं को विकसित करने में मदद करता है, जो आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में सफलता के लिए आवश्यक हैं। छात्रों को अध्ययनरत रहते हुए प्रशिक्षण में भाग लेने में सक्षम बनाकर, पीएमआईएस का उद्देश्य अकादमिक शिक्षा और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच के अंतर को कम करना, स्नातक होने के समय नौकरी के लिए उनकी तत्परता को बढ़ाना और व्यावसायिक परिवेश, कॉर्पोरेट प्रक्रियाओं और पेशेवर संस्कृति का वास्तविक अनुभव प्रदान करना है।

प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना (पीएमआईएस) के बारे में

प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर के युवाओं को संरचित और सशुल्क प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है।

इस योजना के अंतर्गत:

प्रशिक्षु को प्रति माह कम से कम 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। देश में शीर्ष कंपनियों में विभिन्न क्षेत्रों में सशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध हैं। पीएमआईएस के पायलट चरण में 300 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया है और विभिन्न भूमिकाओं और क्षेत्रों में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए हैं। वर्तमान में, पायलट चरण का तीसरा दौर चल रहा है, जिसमें कंपनियां लगातार पद स्थापन प्रशिक्षण के अवसर पोस्ट कर रही हैं।

लखनऊः कल्याण सिंह कैंसर अस्पताल के एक और डॉक्टर का इस्तीफ, पांच साल में 28 डॉक्टरों ने छोड़ा संस्थान

(जीएनएस)।

लखनऊ। कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान को एक बार फिर झटका लगा है। संस्थान में न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग की डॉ. सोनम सुमन ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, संस्थान छोड़ने का स्पष्ट कारण इस्तीफे में नहीं लिखा है।

अधिकारियों का कहना है कि सुपर स्पेशियालिटी संस्थान होने के बावजूद तनख्वाह स्टेट मेडिकल कॉलेज की दी जा रही है। जबकि संस्थान में कुछ डॉक्टरों को [illegible], [illegible] के समान वेतन दिया जा रहा है। महिला डॉक्टर के इस्तीफे से न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में पेट सीटी समेत दूसरी मशीनों के संचालन को झटका लगा है कैंसर संस्थान की डढऊ में प्रतिदिन 400 मरीज आ रहे हैं। लगभग 300 बेड हैं। ज्यादातर बेड हमेशा भरे रहते हैं। इमरजेंसी में प्रतिदिन 40 से 50 मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। वेतन विसंगति समेत दूसरी बदइंतजामी की वजह से गुजरे पांच साल में 28 विशेषज्ञ डॉक्टर नौकरी छोड़कर जा चुके हैं। 60 से अधिक नर्सिंग स्टाफ और करीब एक दर्जन से ज्यादा टेक्नीशियन और कर्मचारी कैंसर संस्थान को अलविदा कह चुके हैं।

श्री सी.आर. पाटिल ने भारत के प्रमुख वैश्विक जल कार्यक्रम, नौवें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह का शुभारंभ किया

150 देशों को आमंत्रित किया गया; यह मंच जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम जल प्रबंधन और वैश्विक सहयोग पर संवाद को बढ़ावा देगा

(जीएनएस)।

जल शक्ति मंत्रालय 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में "जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन" विषय पर आधारित भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू-2026) के 9वें संस्करण का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने आज नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू -2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने आधिकारिक ब्रोशर जारी किया और आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू -2026 वेबसाइट पोर्टल को लाइव किया।

इस कार्यक्रम में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनर्जीवन विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के सचिव श्री वीएल कंथा राव; पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के सचिव श्री अशोक केके मीना; राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी के महानिदेशक श्री बालेश्वर ठाकुर; केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष श्री अनुपम प्रसाद; राष्ट्रीय जल मिशन की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक सुश्री अर्चना वर्मा और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मंत्री जी ने आगामी आयोजन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला और विश्वास व्यक्त किया कि आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू -2026 जल प्रबंधन में ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए विश्व भर के विशेषज्ञों, योजनाकारों, नवोन्मेषकों और हितधारकों को एक साथ लाएगा।

मीडिया से बातचीत के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सतत जल संरक्षण प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सितंबर 2024 में जल संचय जन भागीदारी के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के आ'ान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत 60 लाख से अधिक कृत्रिम जल पुनर्भरण और जल संरक्षण संरचनाएं बनाई जा चुकी हैं और विश्वास व्यक्त किया कि मई 2026 तक एक करोड़ संरचनाओं का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।

मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसार, एमजीएनआरईजीएस/वीबी जी आरएएम जी के तहत व्यय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, जो 65% से 30% तक है, जल संरक्षण गतिविधियों के लिए निर्धारित किया गया है।

सितंबर में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय सम्मेलन में द्विपक्षीय बैठकें और कई तरह के सत्र होंगे, जिनमें मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र, वैश्विक जल नेताओं का पूर्ण सत्र (जीडब्ल्यूएलपीएलएन), जल नेताओं का मंच (डब्ल्यूएलएफ), अभ्यासकताओं का मंच (पीएफ), देश मंच, विषयगत मंच (टीएफ), युवा मंच (वाईएफ) और स्टार्टअप मंच शामिल हैं। विषयगत मंच में समावेशी और न्यायसंगत जल शासन, जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए सहयोग, जल सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी और समुदाय, जलवायु संबंधी जोखिमों में जल, जल अवसंरचना और आधुनिकीकरण के लिए अभिनव वित्तपोषण मॉडल, सतत जल संसाधन प्रबंधन और लोगों और ग्रह के लिए जल जैसे उप-विषयों को शामिल किया जाएगा। मंत्रालयों, विभागों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, युवा पेशेवरों, स्कूली बच्चों, गैर सरकारी संगठनों और सफलता की कहानियों से जुड़े विशेष सत्र और कार्यक्रम सम्मेलन की समावेशिता को और बढ़ाएंगे।

इस कार्यक्रम में जल क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर 49 सत्र आयोजित किए जाएंगे। लगभग 150 देशों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिनमें से 11 देशों के भागीदार देशों के रूप में शामिल होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, सभी 84 केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों/विभागों और 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें से लगभग छह केंद्रीय मंत्रालय और 16 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के इस कार्यक्रम में भागीदार बनने की संभावना है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम स्थित हॉल नंबर 14 जीएफ में चार दिनों तक चलने वाली अत्याधुनिक प्रदर्शनी व्यापारिक अवसरों के लिए एक मंच प्रदान करेगी और प्रतिभागियों को संभावित साझेदारों और ग्राहकों से जुड़ने में सक्षम बनाएगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन फील्ड विजिट भी शामिल होंगी।

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय डब्ल्यूएएसएच सम्मेलन-2026 का आयोजन भी 22 से 24 सितंबर 2026 तक द्वितीय विश्व युद्ध-2026 के हिस्से के रूप में किया जाएगा, जिसमें जल, स्वच्छता और हाइजीन (डब्ल्यूएएसएच) में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के लिए विशेषज्ञ, शोधकर्ता और अभ्यासकर्ता एक साथ आएंगे।

मंत्रालय ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विदेशी देशों, साझेदार देशों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों, उद्योगों, प्रदर्शकों और जल क्षेत्र में काम करने वाले सभी हितधारकों से भागीदारी आमंत्रित की है।

आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू-2026 की वेबसाइट (https://www.i»»fdiawaterweek.in/) अब चालू हो गई है और प्रतिनिधियों के पंजीकरण के लिए खुली है।

लखनऊ में खनन साझेदारी के नाम पर 1.26 करोड़ रुपये की ठगी, कई पर मुकदमा दर्ज

(जीएनएस)।

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में खनन कारोबार में साझेदारी के नाम पर 1.26 करोड़ रुपये की ठगी का मामला दर्ज किया गया है। .थाने में आगरा के सिकतरा शमसाबाद स्थित फर्म के मालिक अमित सिंह ने खनन कारोबार में साझेदारी का झांसा देकर 1.26 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

आगरा की न्यू वेदिका कन्स्ट्रक्शन फर्म के मालिक अमित सिंह ने बताया कि खनन कारोबारी देवेन्द्र सिंह व उसके साथियों ने बांदा जिले में बालू-मौरंग खनन का टेंडर दिखाकर उनसे रकम ली थी।

पीड़ित के मुताबिक, 29 जनवरी 2025 को सुशांत गोल्फ सिटी के एक माल के रेस्टोरेंट में रविन्द्र सिंह शेखावत, जफर खान, संजय गौतम रोहित यादव आदि ने देवेन्द्र सिंह का प्रतिनिधि बनकर ग्राम सादी मदनपुर में अलग-अलग गाटा संख्या की जमीनों पर 25,775 घनमीटर खनन का टेंडर दिखाया।

डीएम बांदा के कथित सहमति पत्र के आधार पर 50 प्रतिशत साझेदारी का वादा किया। बातों में आकर उन्होंने 1.26 करोड़ रुपये दे दिए। इकरारनामे में सिर्फ 25 प्रतिशत हिस्सा ही लिखा गया और एक गाटा संख्या 848 को शामिल नहीं किया। जांच में पता चला कि खनन का पट्टा पहले ही निरस्त हो चुका है।

गाटा संख्या 848 ग्राम समाज की जमीन पर थी। ठगी का राजफाश होने पर पीड़ित ने रकम वापस मांगी तो उन्हें धमकी दी गई। उन्होंने आगरा के पुलिस कमिश्नर से भी मामले की शिकायत की थी।

इसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी थाने में राजस्थान के माछीगांव करौली निवासी रविंद्र शेखावत, राजाजीपुरम निवासी देवेंद्र सिंह, हमीरपुर के कदौरा निवासी जफर खान, बांदा की स्वराज कालोनी निवासी संजय गौतम, रान्या एन्ड सिंह कंपनी का काकोरी निवासी मैनेजर रोहित यादव और अंसार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

हज के लिए लखनऊ से पहला जत्था रवाना, 427 हाजियों ने भरी उड़ान; हर हाजी की अपनी है कहानी

(जीएनएस)।

यूपी से हज यात्रा 2026 की शुरूआत हो गई है. बुधवार को सरोजिनी नगर स्थित हज हाउस से हाजियों का पहला जत्था पवित्र सफर के लिए रवाना हुआ, जिसमें 427 श्रद्धालु शामिल हैं. इस मौके पर बड़ी संख्या में उलेमा भी मौजूद रहे. सरकार की ओर से इस बार हाजियों के लिए खास सुविधाएं भी दी गई हैं.

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हज यात्रा की शुरूआत आज पहली फ्लाइट के रवाना होने के साथ हो गई है. अल्पसंख्यक कल्याण कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर और राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने हज यात्रियों को लेकर जाने वाली बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस दौरान मौलाना सुफियान निजामी, मौलाना यासुब अब्बास और मौलाना सैफ अब्बास समेत कई उलेमा मौजूद रहे इस बार हज यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं.

मेडिकल सुविधा पर फोकस

इस मौके पर राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हज यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो. इस साल भीषण गर्मी को देखते हुए लखनऊ हज हाउस से लेकर मक्का-मदीना तक स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष इंतजाम किया गया है. मेडिकल टीम, डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ हाजियों के साथ रहेंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत उपचार मिल सके.

लखनऊ से हज उड़ानें शुरू

हाजियों को स्मार्ट वॉच भी दी गई है, जिससे उनकी यात्रा को और सुरक्षित और आसान बनाया जा सके. हज यात्रियों ने सरकार की ओर से दी गई सुविधाओं पर खुशी जाहिर की और बेहतर इंतजाम के लिए शुक्रिया अदा किया. हज पर जाने वाले हाजियों ने कहा कि उनके लिए बड़ा ही खुशकिस्मत का दिन है. आज उन्हें अल्लाह ने अपने घर में बुलाया है. सरकार की तरफ से जो इंतजाम किए गए हैं, उससे वह खुश हैं. स्मार्ट वॉच दी है या उनके लिए वहां पर काम आएगी.

काश पटेल कांट्रोवर्सी : शराब पीकर गायब रहते हैं एफबीआई डायरेक्टर? खबर छापी तो पत्रकार पर ठोका मुकदमा

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल और उनके करीबियों के दिन खराब चल रहे हैं। पहले पाम बॉन्डी और शावेज जैसी मंत्रियों का इस्तीफा और पीट हेगसेथ पर लटकी जांच की तलवार ने उन्हें मुश्किल में डाल रखा है। इसी कड़ी में अगला नाम FBI डायरेक्टर काश पटेल का है। उन पर जबरदस्त पार्टी एनिमल (पार्टी का शौकीन) होने के आरोप लग रहे हैं। इसी बीच एक मैग्जीन में जब उनकी शराब की लत को लेकर खबर छपी तो पटेल गुस्से से झल्ला उठे हैं।

पत्रकार से भिड़े पटेल, $250 मिलियन का ठोका मुकदमा

अमेरिका की जांच एजेंसी Federal Bureau of Iavestigation के निदेशक Kash Patel मंगलवार को एक पत्रकार से भिड़ गए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब ळौं अ३'ल्लङ्क पत्रिका ने उनके कथित अत्यधिक शराब पीने और ऑफिस से बिना की जानकारी के गायब रहने को लेकर एक रिपोर्ट छापी। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पटेल ने कहा कि वह कभी काम पर नशे में नहीं थे और इसी वजह से उन्होंने 250 मिलियन डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

मुझे जवाब देने के लिए नहीं दिया समय- पटेल

पटेल ने यह केस अपनी सार्वजनिक रूप से दी गई सफाई से एक दिन पहले दायर किया। इस मुकदमे में The Atlanftic और रिपोर्टर Sarah Fitzpatrick दोनों को आरोपी बनाया गया है। वाशिंगटन डीसी के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर इस याचिका में कहा गया कि मैग्जीन को पब्लिश करने से पहले उन्हें जवाब देने के लिए पर्याप्त समय भी नहीं दिया गया। साथ ही यह आरोप भी लगाया गया कि पत्रिका ने उनके वकील जेसी बिन्नल के भेजे गए पत्र का कोई जवाब नहीं दिया।

रिपोर्ट में क्या दावा किया गया था?

पिछले सप्ताह प्रकाशित ळौं अ३'ल्लङ्क की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पटेल की अत्यधिक शराब पीने की आदत और बना जानकारी के गायब रहने से उनके कर्मचारी परेशान थे। "काश पटेल का लापरवाह बिहेवियर उनकी नौकरी जाने का कारण बन सकता है" शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में दो दर्जन से ज्यादा गुमनाम सूत्रों का हवाला दिया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। इसके अलावा ये भी दावा किया गया कि पटेल की रातें अक्सर शराब पार्टी के साथ खत्म होती हैं जिससे सुबह वे काम करने की स्थिति में नहीं होते और मीटिंग टाली जाती हैं।

'आई विल सू यू इन इन दी कोर्ट'

जब एक रिपोर्टर ने उनसे उनके कंप्यूटर पर लॉग-इन न कर पाने और अनुपस्थिति के बारे में सवाल किया, तो पटेल ने जवाब दिया कि वह इस पर एक सर्वे करना चाहते हैं कि कितने लोग इस आरोप को सच मानते हैं। उन्होंने कहा, "यह एफबीआई निदेशक मुझसे पहले के हर निदेशक से दोगुने दिन काम पर रहा है।" उन्होंने पत्रकारों को चुनौती देते हुए कहा, "जो भी इसमें शामिल होना चाहता है, सामने आए, मैं आपसे अदालत में मिलूंगा।"

आरोपों को बताया 'झूठ' और 'फेक न्यूज'

रिपोर्ट को अनर्गल बताते हुए पटेल ने कहा, "यह पूरी तरह झूठ है। ऐसा कभी नहीं हुआ।" उन्होंने कहा कि वह तब तक इस पद पर बने रहेंगे, जब तक राष्ट्रपति और अटॉर्नी जनरल चाहेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि "मैं कभी अपने सिस्टम से लॉग आउट नहीं हुआ, जो भी ऐसा कहता है, वह झूठ बोल रहा है।" उन्होंने गुमनाम रिपोर्टिंग को "फेक न्यूज माफिया" करार दिया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बढ़ा तनाव

जब रिपोर्टर ने फॉलो-अप सवाल पूछने की कोशिश की, तो पटेल ने उसे बीच में रोक दिया और कहा, "आपने सवाल पूछा है, मुझे जवाब देने दें। मुझे मत टोको।" इस दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया।

अटॉर्नी जनरल का हस्तक्षेप

स्थिति को संभालने के लिए अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ळ्ळ्रीं इ'ल्लौं ने दखल दिया। उन्होंने रिपोर्टर से कहा, "मैं जानता हूं कि यह आपके प्रोफेशन का हिस्सा है, लेकिन कृपया रुक जाइए। अगर आप सवाल पूछते हैं, तो उन्हें जवाब देने दीजिए... थोड़ा सम्मान दिखाइए।" उन्होंने रिपोर्ट को खुल्लम-खुल्ला झूठ" भी बताया। दूसरी तरफ, ह्वँशी लङ्क४री और अमेरिकी न्याय विभाग ने भी इन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, मुकदमा दायर होने के बाद भी ळौं अ३'ल्लङ्क अपनी रिपोर्टिंग पर कायम है।

पत्रिका और रिपोर्टर का जवाब

सोमवार को The Atlantic के एक प्रवक्ता ने कहा, "हम अपनी रिपोर्टिंग पर कायम हैं और इस निराधार मुकदमे के खिलाफ अपने पत्रकारों का बचाव करेंगे।" रिपोर्टर Sarah Fitzpntrick ने भी कहा कि वह "इस रिपोर्टिंग के हर शब्द पर कायम हैं" और उनके पास मजबूत कानूनी टीम है।

लखनऊ में 24 अप्रैल को उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन, किसान हित में बनेगी नई रणनीति

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 24 अप्रैल को लखनऊ में उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन किसान-केंद्रित, परिणामोन्मुख और समन्वित कृषि विकास को गति देने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

उत्तर भारत के राज्यों की व्यापक भागीदारी

सम्मेलन में दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह भागीदारी दशार्ती है कि केंद्र सरकार कृषि विकास को साझा जिम्मेदारी और सहयोग के मॉडल पर आगे बढ़ा रही है।

नीति से जमीन तक ठोस कार्ययोजना पर जोर

इस सम्मेलन में कृषि मंत्रियों, अधिकारियों, वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों, एफपीओ, स्टार्टअप्स और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी के जरिए खेती से लेकर बाजार तक सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी करेंगे संबोधित

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संबोधित करेंगे, जिससे नीति, प्रशासन और क्रियान्वयन के स्तर पर बेहतर समन्वय की उम्मीद है।

कृषि से जुड़े अहम मुद्दों पर होगा मंथन

सम्मेलन में कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, बागवानी, दलहन-तिलहन मिशन, डिजिटल कृषि, फार्मर रजिस्ट्री, उर्वरकों की उपलब्धता और कालाबाजारी जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी।

राज्यों के सफल मॉडल होंगे साझा

विभिन्न राज्यों की सफल पहलों को साझा किया जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश की अंतरफसली खेती, हरियाणा की 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा', पंजाब की फसल विविधीकरण नीति और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड की बागवानी मॉडल शामिल हैं।

बहु-हितधारक संवाद का मंच

यह सम्मेलन केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके, एफपीओ, महिला किसान संगठनों, स्टार्टअप्स, एग्री-टेक कंपनियों और वित्तीय संस्थानों को एक मंच पर लाएगा।

उच्चस्तरीय भागीदारी से बढ़ेगा प्रभाव

सम्मेलन में केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव अतिश चंद्र और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ भाग लेंगे।

किसान समृद्धि और डिजिटल सशक्तिकरण पर फोकस

दलहन, तिलहन, बागवानी, डिजिटल कृषि और उर्वरक प्रबंधन जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित सत्र यह दिखाते हैं कि सरकार कृषि को आधुनिक, समावेशी और लाभकारी बनाने की दिशा में काम कर रही है।

राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन की तैयारी को मिलेगा बल

यह सम्मेलन आगामी राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन की तैयारी को भी मजबूत करेगा, जो 28-29 मई को दिल्ली में आयोजित होगा। जोनल कॉन्फ्रेंस की यह श्रृंखला क्षेत्रीय अनुभवों को राष्ट्रीय रणनीति में बदलने में मदद करेगी।

कृषि विकास को नई दिशा देने की पहल

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में यह पहल इस बात को रेखांकित करती है कि कृषि क्षेत्र में प्रगति के लिए राज्यों के साथ समन्वय, तकनीकी नवाचार और किसानों की सीधी भागीदारी जरूरी है। लखनऊ सम्मेलन से निकलने वाले सुझाव आगामी खरीफ सीजन के लिए नई दिशा तय करेंगे।

41 हजार पदों के लिए परीक्षा 25 अप्रैल से, कैसे डाउनलोड करें हॉल टिकट?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में वर्दी पहनने का सपना देख रहे लाखों युवाओं के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (UPPRPB) ने 41,424 होमगार्ड पदों पर भर्ती के लिए आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा के एडमिट कार्ड आधिकारिक तौर पर जारी कर दिए हैं।

विभाग ने अपनी वेबसाइट पर डाउनलोड लिंक सक्रिय कर दिया है, जिससे अभ्यर्थी अब अपनी तैयारी को अंतिम रूप दे सकते हैं। बोर्ड ने पहले ही एग्जाम सिटी की जानकारी शेयर कर दी थी, जिससे उम्मीदवारों को उनके परीक्षा केंद्र वाले जिले का पता चल चुका है। यह भर्ती प्रक्रिया प्रदेश के 74 जिलों में बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है, जो सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

UPPRPB परीक्षा की तारीखें और शिफ्ट का समय

यूपी होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों की भारी संख्या को देखते हुए बोर्ड ने परीक्षा को दो शिफ्टों में बांटने का निर्णय लिया है:

प्रथम पाली (First Shift): सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक।

द्वितीय पाली (Second Shift): दोपहर 03:00 बजे से शाम 05:00 तक।

यह परीक्षा पूरी तरह से ऑफलाइन मोड (OMR Sheet) पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे रिपोर्टिंग समय के अनुसार केंद्र पर समय से पहुंचें, क्योंकि बिना एडमिट कार्ड के प्रवेश वर्जित होगा।

UPPRPB परीक्षा पैटर्न

इस बार होमगार्ड भर्ती का सिलेबस अन्य पुलिस परीक्षाओं से काफी अलग और सीधा है। अभ्यर्थियों को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए:

कुल प्रश्न: परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

विषय: पूरा पेपर केवल सामान्य ज्ञान (General K»»fowledge) पर आधारित होगा। इसमें गणित, रीजनिंग, हिंदी या अंग्रेजी से कोई सवाल नहीं आएगा।

अंक: प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

क्वालिफाइंग मार्क्स: अगले चरण (शारीरिक दक्षता परीक्षा) के लिए पात्र होने हेतु अभ्यर्थियों को कम से कम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। इससे कम अंक लाने वाले उम्मीदवार चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे।

UPPRPB एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया

उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन कर अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं:

सबसे पहले वढढफ्ढइ की ऑफिशियल वेबसाइट uppbpb.gov.i»»f पर विजिट करें।

होमपेज पर उपलब्ध UP Homeguard Enrolment-2025 के लिंक को चुनें।

अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और जन्मतिथि (DOB) दर्ज कर लॉगिन करें।

डैशबोर्ड पर Download Admit Card बटन पर क्लिक करें।

एडमिट कार्ड की पीडीएफ फाइल सुरक्षित करें और परीक्षा के लिए इसका साफ प्रिंट आउट निकाल लें।

अभ्यर्थी अपने साथ एक वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड या वोटर आईडी) और एडमिट कार्ड ले जाना न भूलें।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 24 अप्रैल 2026 को ओमपोरा, बडगाम, जम्मू-कश्मीर में 30 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे

यह अस्पताल 50,000 से अधिक श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को सेवाएं प्रदान करेगा

(जीएनएस)।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 24 अप्रैल 2026 को जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के बडगाम जिले के ओमपोरा में नवनिर्मित 30 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल (जिसे 100 बिस्तरों तक बढ़ाया जा सकता है) का उद्घाटन करेंगे। यह सुविधा इस क्षेत्र में कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा वितरण को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डॉ. मांडविया इस अवसर पर अस्पताल के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों को सम्मानित करेंगे। यह सुविधा क्षेत्र के 50,000 से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों को सेवा प्रदान करेगी, जिससे बडगाम और आसपास के जिलों के निवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार होगा।

यह अस्पताल परियोजना लगभग 165 करोड़ रुपये की लागत से 5 एकड़ के विशाल क्षेत्र में निर्मित की जा रही है। इस परियोजना में अस्पताल भवन, सेवा भवन और 32 आवासीय क्वार्टर शामिल हैं, जो लगभग 24,500 वर्ग मीटर के आधार क्षेत्र में फैले हुए हैं। आरंभ में, अस्पताल में 30 बिस्तर होंगे और धीरे-धीरे इनकी क्षमता बढ़ाकर 100 कर दी जाएगी।

इस सुविधा केंद्र में तीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और एक विशेष आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर है, जहां नियोजित और गंभीर दोनों प्रकार की प्रक्रियाओं का संचालन किया जाता है। इसमें कुशल आवागमन के लिए चार पेशेंट लिफ्ट, वायु गुणवत्ता और आराम सुनिश्चित करने के लिए एक आधुनिक एचवीएसी प्रणाली लगी हुई है। बुनियादी ढांचे में सौर जल तापन और सीवेज एवं अपशिष्ट उपचार संयंत्र जैसी पर्यावरण अनुकूल प्रणालियां शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में ईएसआई योजना 16 अक्टूबर 1989 को शुरू की गई थी, जिसमें जम्मू, कठुआ और श्रीनगर के लगभग 7,000 कामगारों को शामिल किया गया था। वर्तमान में ईएसआई योजना जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में लागू है, जिससे लगभग 1,83,119 बीमित व्यक्ति और लगभग 7,00,000 लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इसका संचालन जम्मू स्थित ईएसआईसी क्षेत्रीय कार्यालय और जम्मू-कश्मीर कर्मचारी राज्य बीमा सोसायटी (जेकेईएसआईएस) के माध्यम से किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में चिकित्सा लाभ वितरण प्रणाली श्रीनगर, कठुआ, कटरा, सांबा और उधमपुर में स्थित पांच औषधालय सह शाखा कार्यालयों और आठ कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआईएस) औषधालयों (श्रीनगर में 3, जम्मू में 2 और बडगाम, कठुआ तथा सांबा में एक-एक) के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है। माध्यमिक देखभाल सांबा के बारी-ब्राह्मणा स्थित 50 बिस्तरों वाले ईएसआईसी मॉडल अस्पताल में उपलब्ध है, साथ ही माध्यमिक और सुपर-स्पेशियलिटी उपचार के लिए 15 निजी नर्सिंग होम, अस्पतालों और निदान केंद्रों के साथ अतिरिक्त सह-व्यवस्थाएं भी हैं। नकद लाभ जम्मू में एक शाखा कार्यालय और कठुआ, सांबा, उधमपुर, कटरा तथा श्रीनगर स्थित 5 औषधालय सह शाखा कार्यालयों के माध्यम से वितरित किए जाते हैं।

संजय कुमार झा कौन हैं, जो बने रहेंगे जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष? नई टीम में निशांत यादव पर क्या मत?

(जीएनएस)।

बिहार में राजनीति नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शपथ के बाद से सियासी हलचल मची हुई है। इसी कडी में, जनता दल (यूनाइटेड) की नई टीम को लेकर 22 अप्रैल को बडी खबर सामने आई। पार्टी ने अपनी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी और पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी। इसी के साथ ही, संजय कुमार झा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषक इसे 'पार्टी और परिवार के बीच दूरी बनाए रखने' का साफ संदेश मान रहे।

खास बात यह है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को नई टीम में किसी भी पद पर जगह नहीं दी गई। आइए समझते हैं कि संजय कुमार झा आखिर कौन हैं, खऊ्र में कार्यकारी अध्यक्ष का पद कितना ताकतवर है, निशांत कुमार को लेकर पार्टी का क्या रुख है और संजय झा की संपत्ति का सच क्या है...

जनता दल (यूनाइटेड) में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पार्टी का सबसे मजबूत संगठनात्मक पद है। राष्ट्रीय अध्यक्ष (नीतीश कुमार) रणनीतिक फैसले लेते हैं, तो कार्यकारी अध्यक्ष रोजमर्रा का पूरा ऑपरेशन संभालता है।

मुख्य जिम्मेदारियां:

पूरे देश-राज्य में संगठन की निगरानी और समन्वय

प्रदेश अध्यक्षों, जिला इकाइयों और कार्यकताओं से सीधा संपर्क

चुनावी रणनीति बनाना और NDA (BJP-JDU) गठबंधन में तालमेल

नए नेताओं को जोड़ना और पार्टी का राष्ट्रीय विस्तार

संसदीय दल का नेतृत्व (संजय झा राज्यसभा में खऊ्र संसदीय दल के नेता भी हैं)

नीतीश कुमार ने जून 2024 में संजय झा को यह पद दिया था। अब नई सूची में उन्हें यथावत रखकर पार्टी ने 'अनुभव और निरंतरता' को प्राथमिकता दी है।

संजय कुमार झा का जन्म 1 दिसंबर 1967 को हुआ। संजय की शिक्षा की बात करें तो, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) से एमए (मध्यकालीन इतिहास, 1987-89) से पोस्ट ग्रेजुएट किया। वर्तमान में राज्यसभा सांसद (बिहार) और खऊ्र राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं।

राजनीतिक सफर कैसा है?

शुरूआत BJP युवा विंग से की।

2012 में JDU जॉइन किया और धीरे-धीरे नीतीश कुमार के करीबी बने।

बिहार सरकार में जल संसाधन और सूचना-प्रसारण मंत्री रहे।

2017 से ठऊ्र गठबंधन मजबूत करने में अहम भूमिका।

2024 में राज्यसभा सांसद बने।

जून 2024 में खऊ्र के पहले राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने।

निशांत कुमार को लेकर JDU का क्या मत? 'परिवार और पार्टी की दूरी'

नई कार्यकारिणी में निशांत कुमार को कोई पद नहीं दिया गया। मार्च 2026 में निशांत ने खऊ्र जॉइन किया था और संजय झा ने खुद उनका स्वागत किया।

3 मई से निशांत बिहार के 38 जिलों का दौरा भी संजय झा के साथ शुरू करने वाले हैं। फिर भी नई टीम में जगह न मिलना राजनीतिक हलकों में बड़ा संकेत माना जा रहा है।

पार्टी का रुख:

जेडीयू नेतृत्व फिलहाल पार्टी और परिवार की राजनीति के बीच स्पष्ट दूरी बनाए रखना चाहता है।

अनुभवी और स्थापित नेताओं को प्राथमिकता दी गई।

संगठनात्मक संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर फोकस।

विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला 'डायनेस्टी पॉलिटिक्स' की अटकलों पर विराम लगाने जैसा है।

संजय झा ने पहले कहा था कि 'निशांत संवेदनशील, ईमानदार और स्मार्ट हैं' और उनका दौरा पार्टी कार्यकर्ताओं को जोड़ेगा।

लखनऊ में चॉकलेट दिलाने के बहाने अधेड़ ने पांच साल की बच्ची से की छेड़छाड़, गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ में एक 56 वर्षीय व्यक्ति को पांच साल की बच्ची को चॉकलेट दिलाने के बहाने छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महानगर पुलिस ने पांच वर्षीय बच्ची को चाकलेट दिलाने के बहाने सुनसान जगह ले जाकर छेड़छाड़ करने वाले 56 वर्षीय आरोपित को गिरफ्तार किया है। बुधवार को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

एक कालोनी निवासी महिला ने मंगलवार को थाने में तहरीर देकर बताया कि अकबरनगर बंधा स्थित सचिवालय कालोनी निवासी छेदीलाल उनकी पांच वर्षीय बेटी को चाकलेट दिलाने के बहाने अपनी स्कूटी पर बैठा ले गया। तिकोनिया पार्क के पास एक झोपड़ी में बनी कपड़े प्रेस करने वाली दुकान के अंदर ले जाकर उसने बेटी के साथ अश्लीलता की और निजी अंगों को गलत नीयत से छुआ।

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। बेटी ने रोना शुरू किया तो आरोपित उसे वापस घर के पास छोड़ गया। किसी तरह बेटी घर पहुंची। उसे गुमसुम देखा तो मां ने कारण पूछा। कई बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई।

यह सुनकर परिवारजन के होश उड़ गए। उन्होंने महानगर थाने में आरोपित के खिलाफ पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। अतिरिक्त निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि छेदीलाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।